तृप्त मछुआरा

हाइनरिश ब्योल

तृप्त मछुआरा

यूरोप के पश्चिमी तट के एक बंदरगाह पर मैले कुचेले कपड़े पहने एक आदमी अपनी मछली पकड़ने की नाव में लेटा हुआ ऊँघ रहा था। आकर्षक पोशाक पहने एक पर्यटक पिक्चर लेने के लिए अपने कैमरे में रंगीन रील डाल रहा था : नीला आकाश, हरा

समुद्र, बर्फ से ढकी सफेद लहरों की शांतिपूर्ण कतार, काली नौका, मछली पकड़ने के लिए लाल टोपी।

क्लिक। और एक बार क्लिक। चूँकि सभी अच्छी चीजें तीन होती हैं, तीसरी बार क्लिक।

कर्कश, विपरीत आवाज के कारण वहाँ ऊँघने वाला मछुआरा जाग जाता है। वह सोता हुआ ही उठ बैठता है और नींद में ही अपनी सिगरेट सुलगाता है, लेकिन इससे पहले कि यह समझ में आए कि वह क्या ढूँढ़ रहा है, उत्साही पर्यटक ने उसकी नाक के नीचे सिगरेट का एक पैकेट रख दिया, सीधे उसके मुँह में नहीं, बल्कि उसके हाथ में सिगरेट थमा दी और चौथी बार क्लिक करते ही शीघ्र उत्साह से उसने सिगरेट लाइटर बंद कर दिया।

अत्यधिक विनम्रता के चलते एक अजीब सी स्थिति पैदा हो गई, जिसे वह स्थानीय भाषा में बातचीत के माध्यम से पाटने का प्रयास करता है।

'आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी होगी।'

मछुआरे ने असहमति में सिर झटका।

किसी ने मुझे बताया है कि मौसम सुहावना है।

मछुआरे ने सिर हिलाया।

आपको बाहर नहीं जाना पडेगा।

मछुआरे के सिर हिलाने से पर्यटक की बेचैनी बढ़ती जा रही थी। इस बेचारे मैले कुचैले कपड़े वाले आदमी के दिल में जरूर कुछ है और एक अच्छा मौका हाथ से गँवा देने के कारण उसे निराशा हुई है।

ओह, मुझे अफसोस है, आपकी तबियत ठीक नहीं है क्या?

अंत में ईशारे छोड़कर मछुआरे ने मुँह खोलकर बातचीत की।

उसने कहा 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। इससे बेहतर मुझे कभी नहीं लगा।'

वह उठकर खड़ा हो गया, थोड़ा तना, मानो यह दिखाना चाहता हो कि वह कितना पहलवान है।

मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।

पर्यटक के चहरे का भाव और विदीर्ण हो गया। वह अपने प्रश्न को अधिक दबा नहीं सकता, अन्यथा उसका दिल बैठ जाने का खतरा है।

फिर आप बाहर क्यों नहीं जाते?

मछुआरे ने तपाक से उत्तर दिया : 'क्योंकि मैं आज सुबह ही बाहर जाकर आया हूँ'।

क्या दिन की शुरुआत अच्छी थी?

इतनी अच्छी थी कि मुझे अब दोबारा बाहर जाने की जरूरत ही नहीं है। मैंने अपनी टोकरी में चार झींगा मछलियाँ रख ली हैं और लगभग दो दर्जन समुद्री मछलियाँ भी पकड़ ली हैं।

अंत में मछुआरा पूरी तरह जाग जाता है, थोड़ा सामान्य होता है वह, पर्यटक के कंधे पर सांत्वना पूर्वक हाथ रखता है।

पर्यटक के चेहरे की यह अभिव्यक्ति उसे अनुचित फिर भी मार्मिक, चिंतापूर्ण प्रतीत होती है। अजनबी की आत्मा को तसल्ली देने के लिए वह कहता है 'मेरे पास आने वाले कल और परसों के लिए पर्याप्त है।'

'क्या आप मेरी एक सिगरेट लेंगे**?**'

हाँ**,** धन्यवाद।

मुँह में सिगरेट रखे हुए अजनबी ने पाँचवा क्लिक दिया। अपना सिर हिलाते हुए वह नाव के किनारे पर बैठ गया और उसने अपना कैमरा नीचे रख दिया, क्योंकि अपने भाषण पर जोर देने के लिए अब उसे दोनों हाथों की जरूरत थी।

वह कहता है, 'मैं आपके व्यक्तिगत मामलों में हस्तक्षेप करना नहीं चाहता, लेकिन पहले आप अपना परिचय दें। आज आपने दूसरी, तीसरी और शायद चौथी बार भी काम किया है और आप तीन, चार, पाँच और शायद दस दर्जन समुद्री मछलियाँ पकड़ लेते हैं, इसे एक बार फिर से बताइए'।

मछुआरा सिर हिलाता है।

पर्यटक कहता है, आप अधिकतम एक वर्ष में एक मोटर खरीद सकते हैं, दो वर्ष में एक दूसरी नाव, तीन या चार वर्षों में आप शायद एक छोटा जहाज खरीद सकते हैं। दो नावों या जहाज से आप स्वाभाविक रूप से बहुत कुछ कर सकते हैं। एक दिन आपके पास दो जहाज हो जाएँगे, तो आप...' उत्साह के कारण थोड़ी देर खामोश रहकर, 'छोटा कोल्ड स्टोरेज बना सकेंगे, शायद एक धूम्र कक्ष भी, बाद में एक मांस, मछली पकाने वाली फैक्टरी, अपने निजी हेलीकाप्टर द्वारा उड़ भी सकेंगे, आप बहुत सारी मछलियाँ एकत्र कर सकते हैं और अपने जहाजों को रेडियो से काबू कर सकते हैं। आप मछलियों का प्राधिकरण ले सकते हैं। आप मछली का एक रेस्तराँ खोल सकते हैं, बिचौलियों के बिना आप समुद्री झींगे का पेरिस निर्यात कर सकते हैं और फिर...' उत्साह से उसके मुँह से शब्द नहीं निकल रहे थे।

मछुआरा उस अजनबी का कंधा थपथपाता है, मानो बच्चे ने कुछ निगल लिया हो।

मछुआरा धीरे से पूछता है, 'तब क्या?'

पर्यटक ने शांत उत्साहपूर्वक मछुआरे से कहा 'तब आप निश्चिंत होकर यहाँ बंदरगाह पर बैठ सकते हैं और धूप में ऊँघ सकते हैं और इस भव्य समुद्र का नजारा भी ले सकते हैं।'

मछुआरे ने कहा, 'लेकिन मैं तो अभी भी यही कर रहा हूँ, सुकून से बंदरगाह पर बैठा हूँ और ऊँघ रहा हूँ, बस आपके क्लिक ने इसमें विघ्न डाल दिया।

वास्तव में पर्यटक इस पर विचारमग्न हो गया, एक बार पहले भी उसने सोचा था, कि वह काम करता है, ताकि उसे दिन में एक बार से अधिक काम नहीं करना पड़े। मैले

कुचैले वस्त्रों वाले मछुआरे के प्रति पर्यटक में कोई दया भाव नहीं रहा, अपितु उसे अब मछुआरे से थोड़ा रश्क हो रहा था।